दिल्ली विश्वविद्यालय
University of Delhi

परिषद शाखा - II, कमरा नं: 211, नया प्रशासनिक खंड, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली-110007, दूरभाष: 011-27001156/54
Council Branch - II, Room No. 211, New Administrative Block, University of Delhi, Delhi – 110007, Ph: 27001156/54

CNC-II/093/1/Misc./2026/48
Dated: 13.08.2026

NOTIFICATION

Sub: Amendment to Ordinance V

Following addition be made to Appendix-II-A to the Ordinance V (2-A) of the Ordinances of the University;

Add the following:

The syllabi of Semester-III of the Five Year Integrated Programme in Journalism (FYIPJ) based on Undergraduate Curriculum Framework-2022, offered by the Delhi School of Journalism, under the Faculty of Social Science, is notified herewith for the information of all concerned as per **Annexure-1**.

REGISTRAR

Semester III

पत्रकारिता के मद्रिद्रित माध्यम **(क्रेडिट -4)**

Course Title and Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Prerequisite of the course
		Lecture	Tutorial	Practical		
पत्रकारिता के मद्रिद्रित माध्यम	4	3	0	1	Passed Cass 12th in required discipline	NIL

पाठ्यक्रम उद्देश्य:

1. पत्रकारिता के मुद्रित माध्यम की मूल बातों को समझना।
2. समाचार पत्र और पत्रिकाओं के निर्माण और प्रबंधन की प्रक्रिया को समझना।
3. पत्रकारिता में भाषा और शैली के महत्व को समझना।
4. पत्रकारिता के मुद्रित माध्यम में करियर के अवसरों को समझना।

पाठ्यक्रम परिणाम:

1. छात्र पत्रकारिता के मुद्रित माध्यम की मूल बातों को समझ पाएंगे।
2. छात्र समाचार पत्र और पत्रिकाओं के निर्माण और प्रबंधन की प्रक्रिया को समझ पाएंगे।
3. छात्र पत्रकारिता में भाषा और शैली के महत्व को समझ पाएंगे।
4. छात्र पत्रकारिता के मुद्रित माध्यम में करियर के अवसरों को समझ पाएंगे।

यूनिट 1: पत्रकारिता के मुद्रित माध्यम का परिचय

1. पत्रकारिता के मुद्रित माध्यम का इतिहास
2. पत्रकारिता के मुद्रित माध्यम के प्रकार
3. पत्रकारिता के मुद्रित माध्यम की विशेषताएं
4. पत्रकारिता के मुद्रित माध्यम का महत्व

यूनिट 2: समाचार पत्र और पत्रिकाओं का निर्माण

1. समाचार पत्र और पत्रिकाओं का निर्माण प्रक्रिया
2. समाचार पत्र और पत्रिकाओं के प्रकार
3. समाचार पत्र और पत्रिकाओं की विशेषताएं
4. समाचार पत्र और पत्रिकाओं का प्रबंधन

यूनिट 3: पत्रकारिता में भाषा और शैली

1. पत्रकारिता में भाषा का महत्व
2. पत्रकारिता में शैली का महत्व
3. पत्रकारिता में भाषा और शैली के प्रकार
4. पत्रकारिता में भाषा और शैली का प्रयोग

यूनिट 4: पत्रकारिता के मुद्रित माध्यम में करियर

1. पत्रकारिता के मुद्रित माध्यम में करियर के अवसर
2. पत्रकारिता के मुद्रित माध्यम में करियर के लिए आवश्यक कौशल
3. पत्रकारिता के मुद्रित माध्यम में करियर के लिए आवश्यक शिक्षा
4. पत्रकारिता के मुद्रित माध्यम में करियर के लिए आवश्यक अनुभव

असाइनमेंट:

1. एक समाचार पत्र का विश्लेषण करें और उसकी विशेषताओं को समझाएं।
2. एक पत्रिका का निर्माण करें और उसकी विशेषताओं को समझाएं।
3. एक समाचार पत्र या पत्रिका के लिए एक लेख लिखें और उसकी भाषा और शैली को समझाएं।
4. पत्रकारिता के मुद्रित माध्यम में करियर के अवसरों पर एक प्रेजेंटेशन बनाएं।

संदर्भ ग्रंथ:

1. शर्मा, आर. (2020). पत्रकारिता के मूल तत्व. नई दिल्ली: वाणी प्रकाशन।
2. कुमार, ए. (2019). समाचार पत्र और पत्रिकाएं. नई दिल्ली: साहित्य अकादमी।
3. मिश्रा, पी. (2018). पत्रकारिता में भाषा और शैली. नई दिल्ली: वाणी प्रकाशन।
4. सिंह, आर. (2017). पत्रकारिता के मुद्रित माध्यम. नई दिल्ली: साहित्य अकादमी।
5. Bhattacharya, S. (2020). Journalism and Mass Communication. New Delhi: Oxford University Press.
6. Kumar, K. (2019). Mass Communication in India. New Delhi: Jaico Publishing House.
7. D'Souza, L. (2018). Media and Communication. New Delhi: Sage Publications.
8. Rao, S. (2017). Journalism and Media Studies. New Delhi: Vikas Publishing House.

पत्रकारिता के ध्वनि प्रसारण माध्यम **(क्रेडिट -4)**

Course Title and Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Prerequisite of the course
		Lecture	Tutorial	Practical		
पत्रकारिता के ध्वनि प्रसारण माध्यम	4	3	0	1	Passed Cass 12th in required discipline	NIL

पाठ्यक्रम उद्देश्य:

1. पत्रकारिता के ध्वनि प्रसारण माध्यम की मूल बातों को समझना।
2. रेडियो पत्रकारिता के सिद्धांतों और तकनीकों को समझना।
3. ध्वनि प्रसारण माध्यम में समाचार और कार्यक्रमों के निर्माण की प्रक्रिया को समझना।
4. पत्रकारिता के ध्वनि प्रसारण माध्यम में करियर के अवसरों को समझना।

पाठ्यक्रम परिणाम:

1. छात्र पत्रकारिता के ध्वनि प्रसारण माध्यम की मूल बातों को समझ पाएंगे।
2. छात्र रेडियो पत्रकारिता के सिद्धांतों और तकनीकों को समझ पाएंगे।
3. छात्र ध्वनि प्रसारण माध्यम में समाचार और कार्यक्रमों के निर्माण की प्रक्रिया को समझ पाएंगे।
4. छात्र पत्रकारिता के ध्वनि प्रसारण माध्यम में करियर के अवसरों को समझ पाएंगे।

यूनिट 1: पत्रकारिता के ध्वनि प्रसारण माध्यम का परिचय

1. पत्रकारिता के ध्वनि प्रसारण माध्यम का इतिहास
2. पत्रकारिता के ध्वनि प्रसारण माध्यम के प्रकार
3. पत्रकारिता के ध्वनि प्रसारण माध्यम की विशेषताएं
4. पत्रकारिता के ध्वनि प्रसारण माध्यम का महत्व

यूनिट 2: रेडियो पत्रकारिता के सिद्धांत

1. रेडियो पत्रकारिता के मूल सिद्धांत
2. रेडियो समाचार और कार्यक्रमों के प्रकार
3. रेडियो पत्रकारिता में ध्वनि का महत्व
4. रेडियो पत्रकारिता में प्रस्तुति की तकनीकें

यूनिट 3: ध्वनि प्रसारण माध्यम में समाचार और कार्यक्रम

1. ध्वनि प्रसारण माध्यम में समाचार का निर्माण
2. ध्वनि प्रसारण माध्यम में कार्यक्रमों के प्रकार
3. ध्वनि प्रसारण माध्यम में समाचार और कार्यक्रमों का प्रबंधन
4. ध्वनि प्रसारण माध्यम में समाचार और कार्यक्रमों का प्रसारण

यूनिट 4: पत्रकारिता के ध्वनि प्रसारण माध्यम में करियर

1. पत्रकारिता के ध्वनि प्रसारण माध्यम में करियर के अवसर
2. पत्रकारिता के ध्वनि प्रसारण माध्यम में करियर के लिए आवश्यक कौशल
3. पत्रकारिता के ध्वनि प्रसारण माध्यम में करियर के लिए आवश्यक शिक्षा
4. पत्रकारिता के ध्वनि प्रसारण माध्यम में करियर के लिए आवश्यक अनुभव

असाइनमेंट:

1. एक रेडियो समाचार बुलेटिन का निर्माण करें और उसकी विशेषताओं को समझाएं।
2. एक रेडियो कार्यक्रम का निर्माण करें और उसकी विशेषताओं को समझाएं।
3. एक ध्वनि प्रसारण माध्यम में समाचार और कार्यक्रमों के निर्माण की प्रक्रिया को समझाएं।
4. पत्रकारिता के ध्वनि प्रसारण माध्यम में करियर के अवसरों पर एक प्रेजेंटेशन बनाएं।

संदर्भ ग्रंथ:

1. Radio: A Guide to Broadcasting techniques by Elwyn Evans (Barrie and Jenkins)
2. Broadcasting and the People- Mehra Masani, National Book Trust, New Delhi
3. The Radio Handbook, Carole Fleming, Routledge, 2002
4. Broadcasting Journalism: Techniques of Radio & television News, Andrew Boyd, New Delhi
5. Broadcast Journalism in the 21st Century, K M Srivastava, New Delhi, 2005
6. Radio in Global Age, David Mandy, Polity Press, Cambridge, 2000

पत्रकारिता के दृश्य श्रव्य माध्यम **(क्रेडिट -4)**

Course Title and Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Prerequisite of the course
		Lecture	Tutorial	Practical		
पत्रकारिता के दृश्य श्रव्य माध्यम	4	3	0	1	Passed Cass 12th in required discipline	NIL

पाठ्यक्रम उद्देश्य:

1. पत्रकारिता के दृश्य श्रव्य माध्यम की मूल बातों को समझना।
2. टेलीविजन पत्रकारिता के सिद्धांतों और तकनीकों को समझना।
3. दृश्य श्रव्य माध्यम में समाचार और कार्यक्रमों के निर्माण की प्रक्रिया को समझना।
4. पत्रकारिता के दृश्य श्रव्य माध्यम में करियर के अवसरों को समझना।

पाठ्यक्रम परिणाम:

1. छात्र पत्रकारिता के दृश्य श्रव्य माध्यम की मूल बातों को समझ पाएंगे।
2. छात्र टेलीविजन पत्रकारिता के सिद्धांतों और तकनीकों को समझ पाएंगे।
3. छात्र दृश्य श्रव्य माध्यम में समाचार और कार्यक्रमों के निर्माण की प्रक्रिया को समझ पाएंगे।
4. छात्र पत्रकारिता के दृश्य श्रव्य माध्यम में करियर के अवसरों को समझ पाएंगे।

यूनिट 1: पत्रकारिता के दृश्य श्रव्य माध्यम का परिचय

1. पत्रकारिता के दृश्य श्रव्य माध्यम का इतिहास
2. पत्रकारिता के दृश्य श्रव्य माध्यम के प्रकार
3. पत्रकारिता के दृश्य श्रव्य माध्यम की विशेषताएं
4. पत्रकारिता के दृश्य श्रव्य माध्यम का महत्व

यूनिट 2: टेलीविजन पत्रकारिता के सिद्धांत

1. टेलीविजन पत्रकारिता के मूल सिद्धांत

2. टेलीविजन समाचार और कार्यक्रमों के प्रकार

3. टेलीविजन पत्रकारिता में दृश्य और श्रव्य का महत्व

4. टेलीविजन पत्रकारिता में प्रस्तुति की तकनीकें

यूनिट 3: दृश्य श्रव्य माध्यम में समाचार और कार्यक्रम

1. दृश्य श्रव्य माध्यम में समाचार का निर्माण

2. दृश्य श्रव्य माध्यम में कार्यक्रमों के प्रकार

3. दृश्य श्रव्य माध्यम में समाचार और कार्यक्रमों का प्रबंधन

4. दृश्य श्रव्य माध्यम में समाचार और कार्यक्रमों का प्रसारण

यूनिट 4: पत्रकारिता के दृश्य श्रव्य माध्यम में करियर

1. पत्रकारिता के दृश्य श्रव्य माध्यम में करियर के अवसर

2. पत्रकारिता के दृश्य श्रव्य माध्यम में करियर के लिए आवश्यक कौशल

3. पत्रकारिता के दृश्य श्रव्य माध्यम में करियर के लिए आवश्यक शिक्षा

4. पत्रकारिता के दृश्य श्रव्य माध्यम में करियर के लिए आवश्यक अनुभव

असाइनमेंट:

1. एक टेलीविजन समाचार बुलेटिन का निर्माण करें और उसकी विशेषताओं को समझाएं।

2. एक टेलीविजन कार्यक्रम का निर्माण करें और उसकी विशेषताओं को समझाएं।

3. एक दृश्य श्रव्य माध्यम में समाचार और कार्यक्रमों के निर्माण की प्रक्रिया को समझाएं।

4. पत्रकारिता के दृश्य श्रव्य माध्यम में करियर के अवसरों पर एक प्रेजेंटेशन बनाएं।

संदर्भ ग्रंथ:

1. Broadcasting and the People- Mehra Masani, National Book Trust, New Delhi
2. Television in India: Changes and challenges-GopalSaksena: Vikas Publishing, 1996
3. Television and Social Change in Rural India- Kirk Johnson, Sage Publications
4. The Radio Handbook, Carole Fleming, Routledge, 2002
5. Broadcast Journalism, Andrew Boyal, OUP, 1999
6. Broadcast News Writing, Reporting and Producing, Ted White (II Edition), Focal Press, 1996
7. Television News, Ivor Yorke, Focal Press, Oxford, 1995
8. Broadcasting Journalism: Techniques of Radio & television News, Andrew Boyd, New Delhi

9. Broadcast Journalism in the 21st Century, K M Srivastava, New Delhi, 2005
10. The Broadcast Journalism Handbook: A television news survival guide, Robert Thompson, Oxford, 2004
11. Broadcasting and Telecommunication: An Introduction, John R Bittner, New Jersey, 1991
12. Broadcast News Writing style book, Robert A Papper, London, 1995

पत्रकारिता का व्यवसाय प्रबंधन : रोज़गार - उदयम - स्वरोज़गार **(क्रेडिट -4)**

Course Title and Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Prerequisite of the course
		Lecture	Tutorial	Practical		
पत्रकारिता का व्यवसाय प्रबंधन : रोज़गार - उदयम - स्वरोज़गार	4	3	0	1	Passed Cass 12th in required discipline	NIL

पाठ्यक्रम उद्देश्य:

1. पत्रकारिता के व्यवसाय प्रबंधन की मूल बातों को समझना।
2. रोजगार, उदयम, और स्वरोजगार के अवसरों को समझना।
3. पत्रकारिता में व्यवसाय प्रबंधन के सिद्धांतों और तकनीकों को समझना।
4. पत्रकारिता के व्यवसाय प्रबंधन में करियर के अवसरों को समझना।

पाठ्यक्रम परिणाम:

1. छात्र पत्रकारिता के व्यवसाय प्रबंधन की मूल बातों को समझ पाएंगे।
2. छात्र रोजगार, उदयम, और स्वरोजगार के अवसरों को समझ पाएंगे।
3. छात्र पत्रकारिता में व्यवसाय प्रबंधन के सिद्धांतों और तकनीकों को समझ पाएंगे।
4. छात्र पत्रकारिता के व्यवसाय प्रबंधन में करियर के अवसरों को समझ पाएंगे।

यूनिट 1: पत्रकारिता का व्यवसाय प्रबंधन

1. पत्रकारिता के व्यवसाय प्रबंधन का परिचय
2. पत्रकारिता के व्यवसाय प्रबंधन के सिद्धांत
3. पत्रकारिता के व्यवसाय प्रबंधन के प्रकार
4. पत्रकारिता के व्यवसाय प्रबंधन का महत्व

यूनिट 2: रोजगार और उदयम

1. रोजगार के अवसर और चुनौतियाँ
2. उदयम के अवसर और चुनौतियाँ
3. रोजगार और उदयम के लिए आवश्यक कौशल
4. रोजगार और उदयम के लिए आवश्यक शिक्षा

यूनिट 3: स्वरोजगार और उद्यमिता

1. स्वरोजगार के अवसर और चुनौतियाँ
2. उद्यमिता के अवसर और चुनौतियाँ
3. स्वरोजगार और उद्यमिता के लिए आवश्यक कौशल
4. स्वरोजगार और उद्यमिता के लिए आवश्यक शिक्षा

यूनिट 4: पत्रकारिता के व्यवसाय प्रबंधन में करियर

1. पत्रकारिता के व्यवसाय प्रबंधन में करियर के अवसर
2. पत्रकारिता के व्यवसाय प्रबंधन में करियर के लिए आवश्यक कौशल
3. पत्रकारिता के व्यवसाय प्रबंधन में करियर के लिए आवश्यक शिक्षा
4. पत्रकारिता के व्यवसाय प्रबंधन में करियर के लिए आवश्यक अनुभव

असाइनमेंट:

1. एक पत्रकारिता के व्यवसाय प्रबंधन की योजना बनाएं और उसकी विशेषताओं को समझाएं।
2. एक रोजगार या उदयम के अवसर की पहचान करें और उसकी विशेषताओं को समझाएं।
3. एक स्वरोजगार या उद्यमिता के अवसर की पहचान करें और उसकी विशेषताओं को समझाएं।
4. पत्रकारिता के व्यवसाय प्रबंधन में करियर के अवसरों पर एक प्रेजेंटेशन बनाएं।

संदर्भ ग्रंथ:

1. Dahiya, S. (2023). Digital First: Entrepreneurial Journalism in India. Oxford University Press
2. Desai, J. (2020). Print Media in India: Tradition, Transition, and Transformation. Emerald Publishing.
3. Doyle, G. (2014). Understanding media economics. Sage Publications.

4. Gupta, A. (2017). Indian Music Industry: Trends and Transformations. Palgrave Macmillan.
5. Gurevitch, M. (1982). Culture Society and the Media. Routledge.
6. Hallin, D. C., & Mancini, P. (2004). Comparing Media Systems. Cambridge University Press.
7. Havens, T., & Lotz, A. D. (2019). Understanding media industries. Oxford University Press.
8. Hodkinson, P. (2016). Media, Culture and Society. SAGE.
9. Holt, J., & Perren, A. (Eds.). (2011). Media industries: History, theory, and method. Wiley-Blackwell.
10. Jain, M. (2018). Behind the Scenes: The Making of Indian Cinema. Oxford University Press.
11. Johnson, G., Whittington, R., & Scholes, K. (2019). Exploring corporate strategy: Text and cases. Pearson

लेखन अभ्यास : दुर्घटनाओं का दो भाषाओं में समाचार लेखन **(क्रेडिट -2)**

Course Title and Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Prerequisite of the course
		Lecture	Tutorial	Practical		
लेखन अभ्यास : दुर्घटनाओं का दो भाषाओं में समाचार लेखन	2	1	0	1	Passed Cass 12th in required discipline	NIL

पाठ्यक्रम उद्देश्य:

1. छात्रों को दुर्घटनाओं के समाचार लेखन की तकनीक से परिचित कराना।
2. हिंदी और अंग्रेजी में समाचार लेखन के लिए आवश्यक कौशल विकसित करना।
3. छात्रों को दुर्घटनाओं के समाचार लेखन में भाषा और शैली के महत्व को समझाना।
4. छात्रों को समाचार लेखन में वस्तुनिष्ठता और निष्पक्षता का महत्व सिखाना।

पाठ्यक्रम परिणाम:

1. छात्र दुर्घटनाओं के समाचार लेखन की तकनीक को समझेंगे और उसका प्रयोग करेंगे।
2. छात्र हिंदी और अंग्रेजी में समाचार लेखन के लिए आवश्यक कौशल विकसित करेंगे।
3. छात्र दुर्घटनाओं के समाचार लेखन में भाषा और शैली के महत्व को समझेंगे।
4. छात्र समाचार लेखन में वस्तुनिष्ठता और निष्पक्षता का महत्व समझेंगे और उसका पालन करेंगे।

यूनिट 1: दुर्घटनाओं का समाचार लेखन

1. दुर्घटनाओं का समाचार लेखन: परिचय और महत्व
2. दुर्घटनाओं के समाचार लेखन की तकनीक
3. हिंदी में समाचार लेखन
4. अंग्रेजी में समाचार लेखन

यूनिट 2: समाचार लेखन में भाषा और शैली

1. समाचार लेखन में भाषा का महत्व
2. समाचार लेखन में शैली का महत्व
3. हिंदी और अंग्रेजी में समाचार लेखन की शैली
4. समाचार लेखन में वस्तुनिष्ठता और निष्पक्षता

असाइनमेंट:

1. किसी एक दुर्घटना पर हिंदी और अंग्रेजी में समाचार लेखन।
2. किसी एक समाचार पत्र के दुर्घटना समाचारों का विश्लेषण।

संदर्भ ग्रंथ:

1. News Writing, George Hough, Kanishka Publishers, New Delhi
2. Modern Journalism: Reporting and Writing, Diwakar Sharma, Deep and Deep Publications, New Delhi
3. Journalism through RTI: Information, Investigation, Impact- Shyamlal Yadav, Sage Publications India New Delhi, 2017
4. The War Correspondent, David Randall, London
5. Intimate Journalism: The Art and Craft of Reporting Everyday Life, Walt Harrington, New Delhi
6. Writing for Journalists, Wynford Hicks, London
7. The Future Newsroom- Dr. Pramod Kumar, Kitabwale, New Delhi 2020
8. Practical Newspaper Reporting- David Spark and Geoffrey Harris, Sage Publication, New Delhi 2011
9. Writing and Reporting News: A Coaching Method- Carole Rich, Thomson Wadswrth, Australia, 2010
10. Reporting for Journalists, Chris Frost, Routledge, London, 2001
11. The Routledge Companion to News Journalism, Routledge Newyork, 2010

लेखन अभ्यास : बठैकों और सभाओं का दो भाषाओं में समाचार लेखन **(क्रेडिट -2)**

Course Title and Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Prerequisite of the course
		Lecture	Tutorial	Practical		
लेखन अभ्यास : बठैकों और सभाओं का दो भाषाओं में समाचार लेखन	2	1	0	1	Passed Cass 12th in required discipline	NIL

पाठ्यक्रम उद्देश्य:

1. छात्रों को बैठकों और सभाओं के समाचार लेखन की तकनीक से परिचित कराना।
2. हिंदी और अंग्रेजी में समाचार लेखन के लिए आवश्यक कौबार विकसित करना।
3. छात्रों को बैठकों और सभाओं के समाचार लेखन में भाषा और शैली के महत्व को समझाना।
4. छात्रों को समाचार लेखन में वस्तुनिष्ठता और निष्पक्षता का महत्व सिखाना।

पाठ्यक्रम परिणाम:

1. छात्र बैठकों और सभाओं के समाचार लेखन की तकनीक को समझेंगे और उसका प्रयोग करेंगे।
2. छात्र हिंदी और अंग्रेजी में समाचार लेखन के लिए आवश्यक कौबार विकसित करेंगे।
3. छात्र बैठकों और सभाओं के समाचार लेखन में भाषा और शैली के महत्व को समझेंगे।
4. छात्र समाचार लेखन में वस्तुनिष्ठता और निष्पक्षता का महत्व समझेंगे और उसका पालन करेंगे।

यूनिट 1: बैठकों और सभाओं का समाचार लेखन

1. बैठकों और सभाओं का समाचार लेखन: परिचय और महत्व

2. बैठकों और सभाओं के समाचार लेखन की तकनीक

3. हिंदी में समाचार लेखन

4. अंग्रेजी में समाचार लेखन

यूनिट 2: समाचार लेखन में भाषा और शैली

1. समाचार लेखन में भाषा का महत्व

2. समाचार लेखन में शैली का महत्व

3. हिंदी और अंग्रेजी में समाचार लेखन की शैली

4. समाचार लेखन में वस्तुनिष्ठता और निष्पक्षता

असाइनमेंट:

1. किसी एक बैठक या सभा पर हिंदी और अंग्रेजी में समाचार लेखन।

2. किसी एक समाचार पत्र के बैठक या सभा समाचारों का विश्लेषण।

संदर्भ ग्रंथ:

1. News Writing, George Hough, Kanishka Publishers, New Delhi
2. Modern Journalism: Reporting and Writing, Diwakar Sharma, Deep and Deep Publications, New Delhi
3. Journalism through RTI: Information, Investigation, Impact- Shyamlal Yadav, Sage Publications India New Delhi, 2017
4. The War Correspondent, David Randall, London
5. Intimate Journalism: The Art and Craft of Reporting Everyday Life, Walt Harrington, New Delhi
6. Writing for Journalists, Wynford Hicks, London
7. The Future Newsroom- Dr. Pramod Kumar, Kitabwale, New Delhi 2020
8. Practical Newspaper Reporting- David Spark and Geoffrey Harris, Sage Publication, New Delhi 2011
9. Writing and Reporting News: A Coaching Method- Carole Rich, Thomson Wadswrth, Australia, 2010
10. Reporting for Journalists, Chris Frost, Routledge, London, 2001
11. The Routledge Companion to News Journalism, Routledge Newyork, 2010

शास्रार्थ की प्रक्रिया व वर्तमान परिपेक्ष्य**(क्रेडिट -2)**

Course Title and Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Prerequisite of the course
		Lecture	Tutorial	Practical		
शास्रार्थ की प्रक्रिया व वर्तमान परिपेक्ष्य	2	1	0	1	Passed Cass 12th in required discipline	NIL

पाठ्यक्रम उद्देश्य:

1. छात्रों को शास्रार्थ की प्रक्रिया और उसके महत्व से परिचित कराना।
2. शास्रार्थ के विभिन्न पहलुओं और उसके वर्तमान परिपेक्ष्य को समझाना।
3. छात्रों को शास्रार्थ में तर्क और विचार की भूमिका को समझाना।
4. छात्रों को शास्रार्थ के माध्यम से जीवन के विभिन्न पहलुओं को समझने के लिए प्रेरित करना।

पाठ्यक्रम परिणाम:

1. छात्र शास्रार्थ की प्रक्रिया और उसके महत्व को समझेंगे।
2. छात्र शास्रार्थ के विभिन्न पहलुओं और उसके वर्तमान परिपेक्ष्य को समझेंगे।
3. छात्र शास्रार्थ में तर्क और विचार की भूमिका को समझेंगे।
4. छात्र शास्रार्थ के माध्यम से जीवन के विभिन्न पहलुओं को समझने के लिए प्रेरित होंगे।

यूनिट 1: शास्रार्थ की प्रक्रिया

1. शास्रार्थ का अर्थ और महत्व
2. शास्रार्थ के प्रकार और उसके उद्देश्य
3. शास्रार्थ में तर्क और विचार की भूमिका
4. शास्रार्थ के विभिन्न पहलू

यूनिट 2: शास्त्रार्थ का वर्तमान परिपेक्ष्य

1. शास्त्रार्थ का वर्तमान परिपेक्ष्य और उसकी प्रासंगिकता
2. शास्त्रार्थ और आधुनिक विज्ञान
3. शास्त्रार्थ और समाज
4. शास्त्रार्थ और जीवन के विभिन्न पहलू

असाइनमेंट:

1. शास्त्रार्थ के किसी एक पहलू पर एक शोध पत्र लिखना।
2. शास्त्रार्थ के वर्तमान परिपेक्ष्य पर एक प्रेजेंटेशन तैयार करना।

संदर्भ ग्रंथ:

1. Mass Communication Research: An Introduction द्वारा Roger D. Wimmer और Joseph R. Dominick
2. सामाजिक अनुसंधान की पद्धतियां द्वारा डॉ. एस.एल. दोशी या डॉ. आर.एन. मुखर्जी
3. कौटिल्य अर्थशास्त्र
4. Shastra Parichay
5. पतंजलि योगसूत्र

संवाद में प्रश्नोत्तर की भारतीय परम्परा (क्रेडिट -2)

Course Title and Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Prerequisite of the course
		Lecture	Tutorial	Practical		
संवाद में प्रश्नोत्तर की भारतीय परम्परा	2	1	0	1	Passed Cass 12th in required discipline	NIL

पाठ्यक्रम उद्देश्य:

1. छात्रों को संवाद में प्रश्नोत्तर की भारतीय परम्परा से परिचित कराना।
2. संवाद में प्रश्नोत्तर के महत्व और उसके विभिन्न पहलुओं को समझाना।
3. छात्रों को संवाद में प्रश्नोत्तर के माध्यम से जीवन के विभिन्न पहलुओं को समझने के लिए प्रेरित करना।
4. छात्रों को संवाद में प्रश्नोत्तर के माध्यम से अपने विचारों को व्यक्त करने के लिए प्रेरित करना।

पाठ्यक्रम परिणाम:

1. छात्र संवाद में प्रश्नोत्तर की भारतीय परम्परा को समझेंगे।
2. छात्र संवाद में प्रश्नोत्तर के महत्व और उसके विभिन्न पहलुओं को समझेंगे।
3. छात्र संवाद में प्रश्नोत्तर के माध्यम से जीवन के विभिन्न पहलुओं को समझने के लिए प्रेरित होंगे।
4. छात्र संवाद में प्रश्नोत्तर के माध्यम से अपने विचारों को व्यक्त करने के लिए प्रेरित होंगे।

यूनिट 1: संवाद में प्रश्नोत्तर की भारतीय परम्परा

1. संवाद में प्रश्नोत्तर का महत्व
2. संवाद में प्रश्नोत्तर के विभिन्न पहलू
3. संवाद में प्रश्नोत्तर के माध्यम से जीवन के विभिन्न पहलुओं को समझना
4. संवाद में प्रश्नोत्तर के माध्यम से अपने विचारों को व्यक्त करना

यूनिट 2: संवाद में प्रश्नोत्तर के विभिन्न रूप

1. संवाद में प्रश्नोत्तर के विभिन्न रूप

2. संवाद में प्रश्नोत्तर के माध्यम से जीवन के विभिन्न पहलुओं को समझना

3. संवाद में प्रश्नोत्तर के माध्यम से अपने विचारों को व्यक्त करना

4. संवाद में प्रश्नोत्तर के महत्व को समझना

असाइनमेंट:

1. संवाद में प्रश्नोत्तर के महत्व पर एक शोध पत्र लिखना।

2. संवाद में प्रश्नोत्तर के विभिन्न रूपों पर एक प्रेजेंटेशन तैयार करना।

संदर्भ ग्रंथ:

1. Banerji, Suresh Chandra: Sanskrit Culture of Bengal. Sharada Publishing House, Delhi, 2004
2. Carpenter Mary: Last Days of Rajah Rammohun Roy, Rammohun Library & Free Reading Room, Calcutta, 1866, IV edn. 1997
3. Chakrabarti Arindam: Just Words: An Ethics of Conversation in the Mahābhārata, article in Mahābhārata Now edited by Chakrabarti Arindam &BandyopadhyayaSibaji, Routledge, Taylor & Francis Ciroup, New Delhi.2014
4. Chakravarti, A.: (English rendering): Neelakeshi, Prakrit Bharati Jaipur,Chattopadhyaya Debiprasad: Lokāyata, People's Publishing House,1981
5. Chaudhury, Nirad C.: Scholar Extra Ordinary the Life of Professor the Rt. Hon. Fredrich Max Muller P.C., OUP, Delhi, 1974